

### 1. लेखक के अनुसार प्रत्यक्ष अनुभव की अपेक्षा अनुभूति उनके लेखन में अधिक मदद क्यों करती है?

लेखक के अनुसार प्रत्यक्ष अनुभव केवल घटित घटनाओं तक सीमित होता है, लेकिन अनुभूति संवेदना और कल्पना से उपजी उस गहन भावनात्मक सच्चाई को आत्मसात कर लेती है, जो वास्तविक जीवन में न भी घटी हो, अंतरात्मा को स्पर्श करती है। प्रत्यक्ष अनुभव अक्सर बाह्य होता है जबकि अनुभूति अंतर्यात्रा है—यह कल्पना, संवेदना, स्मृति व भावनाओं में रूपांतरित होकर नया सत्य खोजती है। जब अनुभूति बुद्धि से ऊपर जाकर संवेदनशील क्षेत्र में पहुँच जाती है, तो वह लेखक को लिखने के लिए विवश कर देती है। लेखक के लिए अनुभूति के क्षण में भीतर का संसार इतना सशक्त हो जाता है कि वह लिखे बिना रह ही नहीं सकता; यह उसकी रचनात्मक मजबूरी बन जाती है।

### 2. लेखक ने खुद को हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और कैसे महसूस किया?

जापान यात्रा के दौरान लेखक ने एक पत्थर पर किसी व्यक्ति की छाया देखी—यह उस व्यक्ति का अंतिम चिन्ह था, जिसे परमाणु विस्फोट ने पलभर में भाप बना दिया और पत्थर को झूलसा दिया। इसे देख लेखक को अचानक महसूस हुआ मानो वह स्वयं उस त्रासदी का अनुभव कर रहा हो—यह दृश्य उसकी चेतना में इतने गहरे उतर गया कि उसने स्वयं को भी उस घटना का भोक्ता (साक्षी) मान लिया। यह दृश्य एक आंतरिक झकझोर देने वाली अनुभूति और सहानुभूति बन गया।

### 3. (क) लेखक को कौन सी बातें लिखने के लिए प्रेरित करती हैं?

लेखक को उसकी आंतरिक विवशता लिखने के लिए प्रेरित करती है। जब उसके अंतर्मन में कोई बात बार-बार उठती है, उसे तटस्थ होकर पहचान पाना, समझना और उससे मुक्ति पाना चाहता है, तो वह लिख देता है। यह विवशता और अंतःप्रेरणा ही लेखक की सच्ची प्रेरणा बनती है।

### (ख) प्रेरणा-स्रोत दूसरे लोगों को रचना के लिए कैसे उत्साहित कर सकते हैं?

जब एक रचनाकार की कृति किसी विचार, घटना या काल्पनिक कथा में प्रभावित करती है, तो अन्य लेखक उसी विषय को अपने अनुभव, समाज या समय के अनुसार नया रूप देकर प्रस्तुत कर सकते हैं। उदाहरण—वाल्मीकि की रामायण से प्रेरित होकर अनेक काव्य और रामायणों, महाभारत पर तरह-तरह की रचनाएँ अन्य रचनाकारों द्वारा लिखी गईं।

#### 4. बाह्य दबाव कौन-कौन से हो सकते हैं?

कुछ रचनाकार संपादक या प्रकाशक के आग्रह, पाठक की अपेक्षा, आर्थिक आवश्यकता, पुरस्कार की आशा, समय-सीमा, सामाजिक-राजनीतिक दबाव, आदि के कारण भी लिखते हैं—ये सभी बाह्य दबाव कहलाते हैं।

#### 5. क्या बाह्य दबाव अन्य क्षेत्रों के कलाकारों को भी प्रभावित करते हैं?

जी हां, बाह्य दबाव लेखकों के साथ-साथ हर कलाकार (अभिनेता, गायक, चित्रकार, खिलाड़ी आदि) पर होते हैं। जैसे, अभिनेता/अभिनेत्री पर निर्देशक व निर्माता का, गायक पर आयोजक व श्रोताओं का, चित्रकार पर आयोग/ग्राहकों का, खिलाड़ी पर दर्शक, कोच, प्रबंधक आदि का दबाव रहता है—प्रत्येक में नतीजे, पसंद, लोकप्रियता, सफलता की अपेक्षाएँ बाह्य दबाव के रूप में काम करती हैं।

#### 6. हिरोशिमा पर कविता लेखक के अंदरूनी और बाहरी दबाव का परिणाम कैसे?

जापान यात्रा में अस्पताल में घायल देख लेखक को सहानुभूति हुई, परन्तु जब पत्थर पर छाया देखी, तब भीतर का गहरा दर्द, अनुभूति और झकझोर—यह अंदरूनी दबाव था। विज्ञान-प्रेमी होने, विषय की गहराई, और कुछ अलग रचनात्मक करने की आकांक्षा लेखक का बाहरी दबाव था—दोनों का मेल कविता में दिखता है।

#### 7. विज्ञान का दुरुपयोग कैसे और कहाँ हो रहा है?

परमाणु हथियार, बम, प्रदूषणकारी वाहन, कैमिकल खाद, कीटनाशक—विज्ञान के दुरुपयोग से प्रकृति, स्वास्थ्य और मानवता को नुकसान पहुँच रहा है। आतंकवादी विस्फोट, भ्रूण परीक्षण, अंग-सम्प्रेषण का काला व्यापार, औद्योगिक प्रदूषण, पर्यावरण क्षरण, अवैध हथियार निर्माण आदि आधुनिक विज्ञान के दुरुपयोग के स्पष्ट उदाहरण हैं।

#### 8. विज्ञान के दुरुपयोग को रोकने के लिए एक संवेदनशील युवा नागरिक क्या कर सकता है?

एक युवा नागरिक विज्ञान का नैतिक और जिम्मेदार उपयोग प्रचारित कर सकता है। वह ऊर्जा की बचत, जैविक खेती, प्रदूषण नियंत्रण, सामाजिक विमर्श (सेमिनार, अभियान), कानून का पालन, रचनात्मक शोध, अवैध प्रौद्योगिकी का विरोध, सामाजिक शिक्षा,

For more <https://www.matrixstudies.com> or <https://www.youtube.com/@MatrixStudies>



इंटरनेट-सुरक्षा, भ्रूण-हत्या या अंग-सम्प्रेषण के खिलाफ जागरण आदि कार्यों द्वारा जागरूकता फैला सकता है। विज्ञान का सत्कर्म में प्रयोग और समाज, मानवता के लिए योगदान इस दुरुपयोग को रोक सकता है।



MATRIX  
STUDIES